Karai | करई
Land Revenue (1/6th of produce)
भूमिकर (उपज का 1/6 भाग)
Ulgu / Sangam | उल्गू / संगम
Customs duty or Transit tax
सीमा शुल्क या पथकर
Royal Treasury
Irai | इरै
Taxes paid by feudatories and war booty
सामन्तों द्वारा दिया जाने वाला कर तथा युद्ध में लूटा हुआ माल
Economic Base | आर्थिक आधार
Agriculture, Animal Husbandry. Uraiyur was the hub of the Cotton Textile Industry.
मुख्य आधार: कृषि, पशुपालन। उरैयूर सूती वस्त्र उद्योग का केंद्र था।
Global Trade | वैश्विक व्यापार
Arikamedu: Major Roman settlement where Roman seals were discovered.
अरिकामेडु: रोमन बस्ती जहाँ मुहरें प्राप्त हुईं।

The Divine Realm: Spiritual Life
दैवीय लोक: धार्मिक जीवन

Core Deity
प्राचीन देवता

Murugan (Subrahmanya): The ancient and principal deity of the Tamil lands.
मुरुगन (सुब्रह्मण्य): तमिल देश के प्राचीन देवता।

Identified with Skanda-Kartikeya (Son of Shiva and Parvati in Hinduism).
हिन्दू धर्म में स्कन्द-कार्तिकेय (शिव-पार्वती के पुत्र) के साथ तादात्म्य।

Syncretism & Symbolism
समन्वय और प्रतीकवाद

Emblem: The Rooster.
मुरुगन का प्रतीक: मुर्गा।

A woman from the mountain tribe "Kurvas" is celebrated among Murugan's wives. कुरवस नामक एक पर्वतीय जनजाति की स्त्री को मुरुगन की पत्नियों में माना गया है।

300AD - 700AD

The Great Dynasties of South India: The Illuminated Legacy of the Pallavas

दक्षिण भारत के महान राजवंश: पल्लव साम्राज्य की प्रकाशित विरासत

An Architectural and Geopolitical Synthesis (275 AD – 897 AD)

एक स्थापत्य और भू-राजनीतिक संश्लेषण (275 ई. - 897 ई.)

Mapping the Southern Dynasties
दक्षिणी राजवंशों का मानचित्रण

Rashtrakuta राष्ट्रकूट Dantidurga दंतीदुर्ग	Chola चोल Vijayalaya विजयालय	Chalukya (Kalyani) चालुक्य (कल्याणी) Tailapa II तैलप II	Chalukya (Vatapi) चालुक्य (वातापी) Jayasimha जयसिंह
Pallava पल्लव Simhavishnu सिंहविष्णु	Chalukya (Vengi) चालुक्य (वेंगी) Vishnuvardhana विष्णुवर्धन	Kadamba कदम्ब Mayura Sharman मयूर शर्मन	Ganga गंग Bajrahasta V बज्रहस्त पंचम
Kakatiya काकतीय Beta I बीटा प्रथम	Yadava यादव Bhillam V भिल्लम पंचम	Hoysala होयसल Vishnuvardhana विष्णुवर्धन	

The Geopolitical Landscape in 625 AD

625 ई. का राजनीतिक परिदृश्य

Harsha's Empire / हर्ष का साम्राज्य

North India dominant power
उत्तर भारत की प्रमुख शक्ति

Chalukyas / चालुक्य

Rivals in the Deccan. Capital: Badami
दक्कन में प्रतिद्वंद्वी। राजधानी: बादामी

Pallavas / पल्लव

Dominating the Deep South. Capital: Kanchipuram (TN)
सुदूर दक्षिण में वर्चस्व। राजधानी: कांचीपुरम (तमिलनाडु)

The Genesis of the Pallava Lineage

पल्लव वंश का उदय (275 AD – 897 AD)

Mythological Origin / पौराणिक उत्पत्ति

Descended from Brahma (via Ashwatthama)
ब्रह्मा (अश्वत्थामा के वंशज)

The Founder / संस्थापक

Simhavishnu (575-600 CE)
सिंहविष्णु (575-600 ई.)
Title: Avani Simha
उपाधि: अवनि सिंह

Faith / धर्म

Follower of Vaishnavism
वैष्णव धर्म अनुयायी

Legacy / विरासत

Built Adivaraha Temple at Mamallapuram.
Patron of Bharavi (Kiratarjuniyam)
मामल्लपुरम में आदि वराह मंदिर का निर्माण।
महाकवि भारवि (किरातार्जुनीयम्) के संरक्षक।

वैष्णव | शैव
Vishnu (12 Avtar) | Shiv Ki Puja

Alvar अल्वार	Naynar नयनार
* विष्णु की और उनके 12 अवतार की पूजा	* शिव की पूजा
* 12 अलवार	—
* भजन: नलयिन दिव्य प्रबन्धम्	* भजन: तिरुवमुराई

Maritime Might on the Coromandel Coast

कोरोमंडल तट पर समुद्री शक्ति

Mahabalipuram (Mamallapuram)

महाबलीपुरम (मामल्लपुरम)

The premier port city of the Pallavas on the southeastern Coromandel coast.

दक्षिण-पूर्वी भारत के कोरोमंडल तट पर स्थित पल्लवों का एक प्रसिद्ध बंदरगाह शहर।

Other Ancient Ports / अन्य प्राचीन बंदरगाह:

- Tamralipti / ताम्रलिप्ति
- Sopara / सोपारा
- Muziris / मुजिरिस
- Arikamedu / अरिकामेडु

Mahendra Varman I: The Scholar King

महेंद्र वर्मन प्रथम: विद्वान शासक (600-630 CE)

Literary Contributions

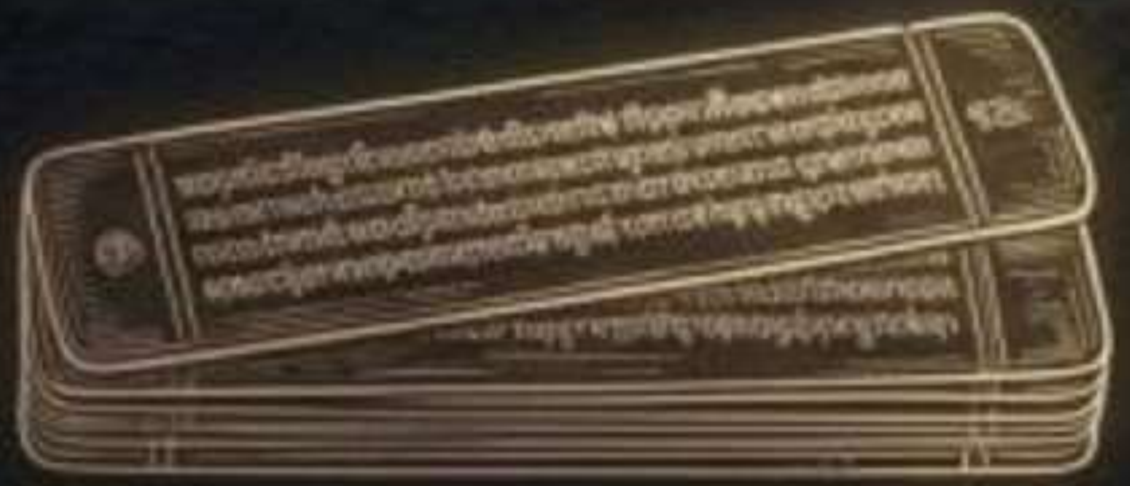

Mattavilasa Prahasana / मत्तविलास प्रहसन

A Sanskrit satirical play mocking religious hypocrisy, Kapalikas, and Buddhist monks.

संस्कृत एकांकी नाटक: धार्मिक आडंबरों पर कटाक्ष तथा बौद्ध और कापालिकों पर व्यंग्य।

Kudumimalai / कुडमिमालय

A highly regarded musical text.

एक प्रसिद्ध संगीत ग्रंथ।

Religious Shift

Started as a Jain follower
प्रारंभ में जैन धर्म के अनुयायी।

→

Converted to Shaivism under the influence of Tamil saint Appar
तमिल संत अप्पार के प्रभाव में कालांतर में शैव बने।

Narasimha Varman I: The Great Conqueror

नरसिंह वर्मन प्रथम: महान विजेता (630-668 CE)

Supreme Power / सर्वोच्च शक्ति

The most powerful ruler of the dynasty. / वंश का सबसे शक्तिशाली शासक।

The Badami Victory / बादामी विजय

Defeated the Badami Chalukya King Pulakeshin II. / बादामी चालुक्य राजा पुलिकेशन द्वितीय को पराजित किया।

Titles Earned / अर्जित उपाधियां

Vatapikonda (Conqueror of Vatapi) & Mahamalla (Great Wrestler). / वातापीकोंड तथा महामल्ल।

Global Connection / वैश्विक संपर्क

Hosted the Chinese traveler Hiuen Tsang. / चीनी यात्री ह्वेनसांग का आगमन।

The Monolithic Marvels: Mamalla Style

एकाश्म आश्चर्य: मामल्ल शैली

Core Fact Box

Carved entirely from a single massive rock. / ये मंदिर एक ही चट्टान से तराशे गए हैं.

Declared a UNESCO World Heritage Site in 1984. / 1984 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित.

Also known as the Seven Pagodas. / अन्य नाम: सप्त पगोडा।

Narasimha Varman II ‘Rajasimha’: The Builder
नरसिंह वर्मन द्वितीय ‘राजसिंह’: निर्माता (700-728 CE)

Monuments / स्मारक

Kailasanatha Temple (Kanchi)
कैलाशनाथ मंदिर (कांची)

- Features portraits of Pallava kings and queens.
  पल्लव राजाओं और रानियों की तस्वीरें हैं।

Shore Temple (Mahabalipuram)
शोरमंदिर (महाबलीपुरम)

Context / संदर्भ

Contemporary to the Arab invasions in India.
भारत में अरबी आक्रमण के समकालीन।

Patronage & Titles / संरक्षण और उपाधियां

Patron of famous writer Dandin / प्रसिद्ध लेखक दंडिन के संरक्षक।
Agamapriya: Lover of scriptures / आगमप्रिय: शास्त्रों का प्रेमी
Shankara Bhakta: Devotee of Shiva / शंकर भक्त: शिव का उपासक

NotebookLM

Twilight of the Empire: The Late Rulers

साम्राज्य का पतन: परवर्ती शासक

Parameshvara I (670-700 CE) / परमेश्वर प्रथम

Built Ganesha Temple (Mamallapuram). Titles: Lokaditya, Ekamalla.

मामल्लपुरम में गणेश मंदिर का निर्माण। उपाधियां: लोकादित्य, एकमल्ल।

Nandivarman II 'Pallavamalla' / नंदिवर्मन द्वितीय

Directly elected by the people. Built Muktesvara & Vaikuntha Perumal temples.

जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुने गए। मुक्तेश्वर तथा बैकुंठ पेरुमाल मंदिर का निर्माण।

Nandivarman III (731-800 CE) / नंदिवर्मन तृतीय

Shaivite. Patron of Tamil poet Perundevanar.

शैव मतानुयायी। तमिल कवि पेरुन्देवनार के संरक्षक।

Aparajita Varman / अपराजिता वर्मन

The Final Ruler.

पल्लव वंश का अंतिम शासक।

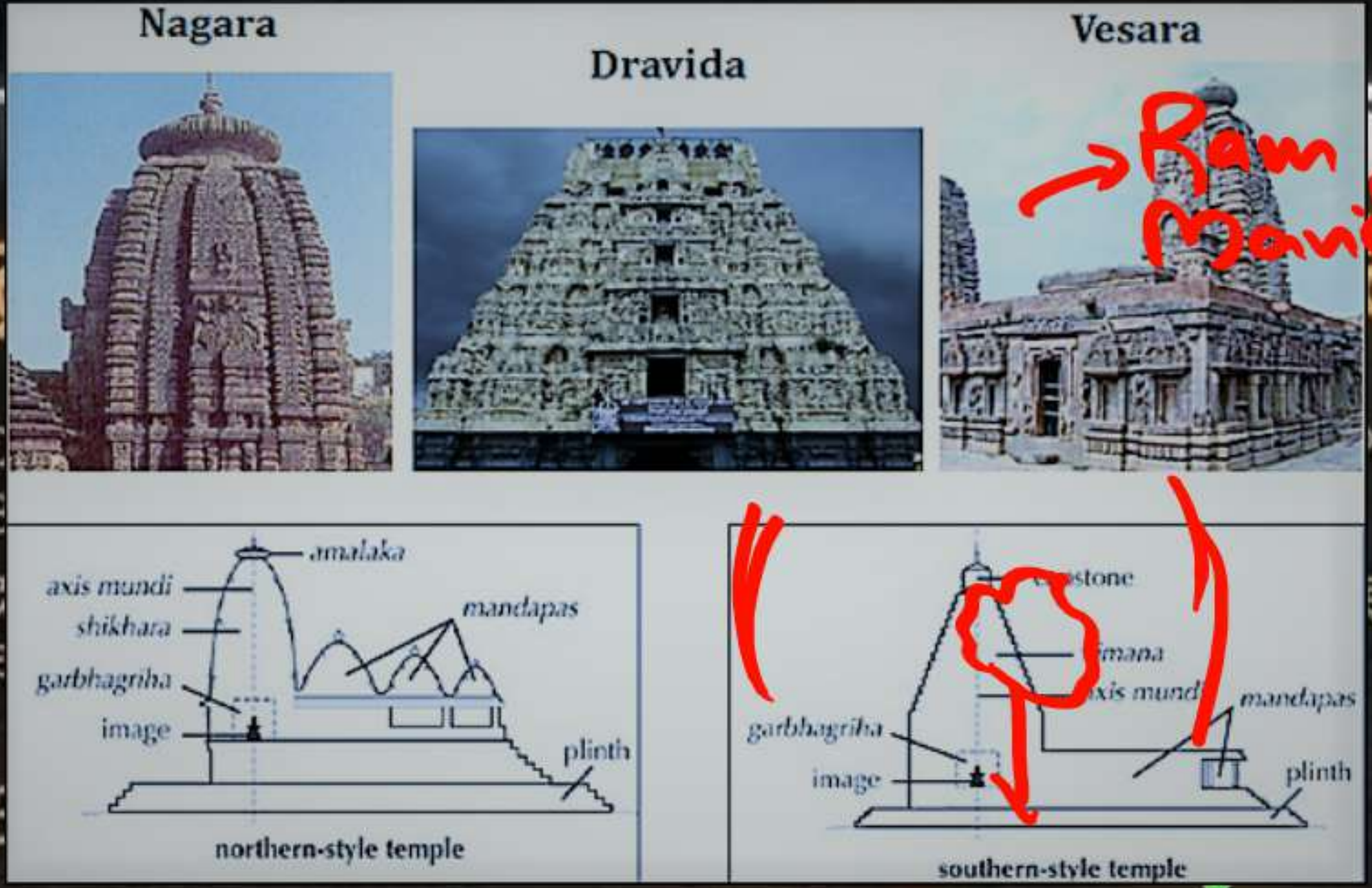

...ian Architecture

...विकास

...ercy

...इसे

1. Mahendra Style
महेंद्र शैली (610-640)

Rock-cut temples
चट्टान-कट मंदिर

2. Mamalla Style
मामल्ल शैली (640-680)

Mandapas and Rathas
मंडप और रथ

3. Rajasimha Style
राजसिंह शैली (680-800)

Structural temples
संरचनात्मक मंदिर

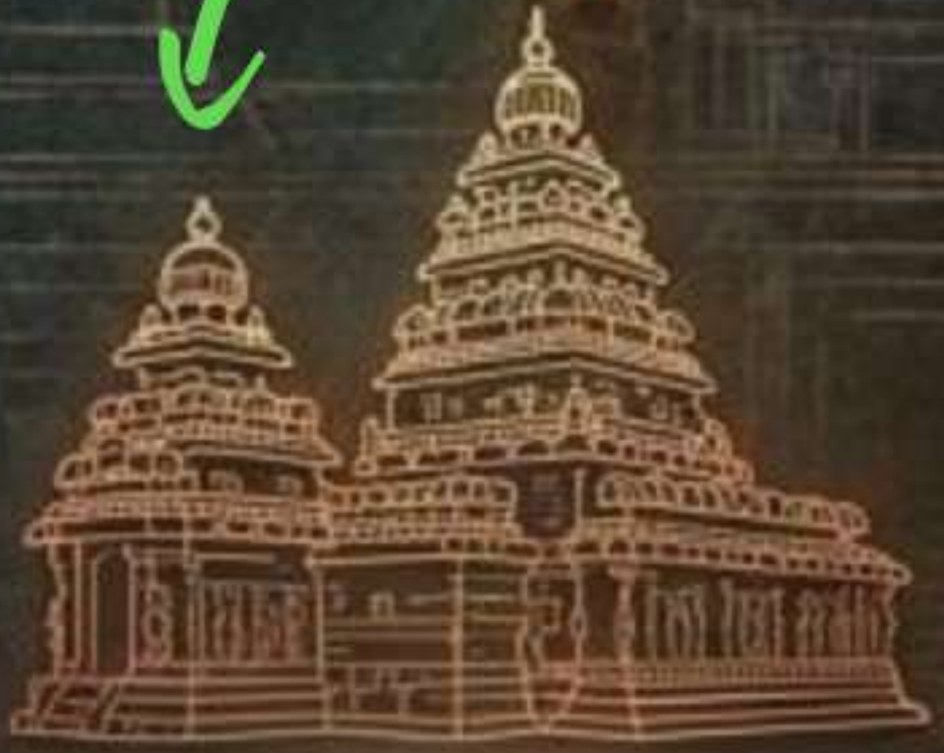

4. Nandivarman Style
नंदीवर्मन शैली (800-900)

Smaller, later structural temples
परवर्ती संरचनात्मक मंदिर

Anatomy of the Mahendra Style (610-630 CE)

महेंद्र शैली की संरचना (610-630 ई.)

- **Rock-Cut Pillars / उत्कीर्णित स्तंभ**
  Pillared halls carved directly into mountain walls.
  पर्वतों की दीवारों में उत्कीर्णित स्तंभयुक्त सभाएं।
- **Apsidal Garbhagriha / अर्धवृत्ताकार गर्भगृह**
  The very first introduction of semi-circular inner sanctums.
  अर्धवृत्ताकार गर्भगृह की पहली शुरुआत।
- **Carved Toranas / सुंदर तोरण**
  Beautifully carved archways over doors.
  द्वारों के ऊपर सुंदर उत्कीर्णित तोरण।
- **Dvarapalas / द्वारपाल**
  Presence of distinct gatekeepers facing the front.
  सामने की ओर मुख किए द्वारपालों की उपस्थिति।
- **Minimal Ornamentation / न्यूनतम अलंकरण**
  Heavily influenced by Jain artistic austerity.
  जैन कला से प्रभावित न्यूनतम अलंकरण।

Surviving Marvels of the Mahendra Era

महेंद्र युग के जीवित चमत्कार

Key Locations / प्रमुख स्थान:

Mandagapattu / मंडगपट्टू
Trimurti Mandapa / त्रिमूर्ति मण्डप
Pallavaram / पल्लवरम
Panchapandava Mandapa / पंचपाण्डव मण्डप
Mahendravadi / महेन्द्र बाड़ी
Mahendravishnu Graha Mandapa / महेन्द्रविष्णु ग्रहमण्डप
Tiruchirappalli / तिरुचिरापल्ली
Lalitankureshwar Temple / ललितांकुरेश्वर मंदिर
Bhairavakonda / भैरवकोंडा
Rock-cut Mandapas / गुफा मण्डप

Blueprint of the Divine: Temple Anatomy
दिव्यता की रूपरेखा: मंदिर की संरचना

The Enduring Pallava Synthesis
पल्लवों का चिरस्थायी संश्लेषण

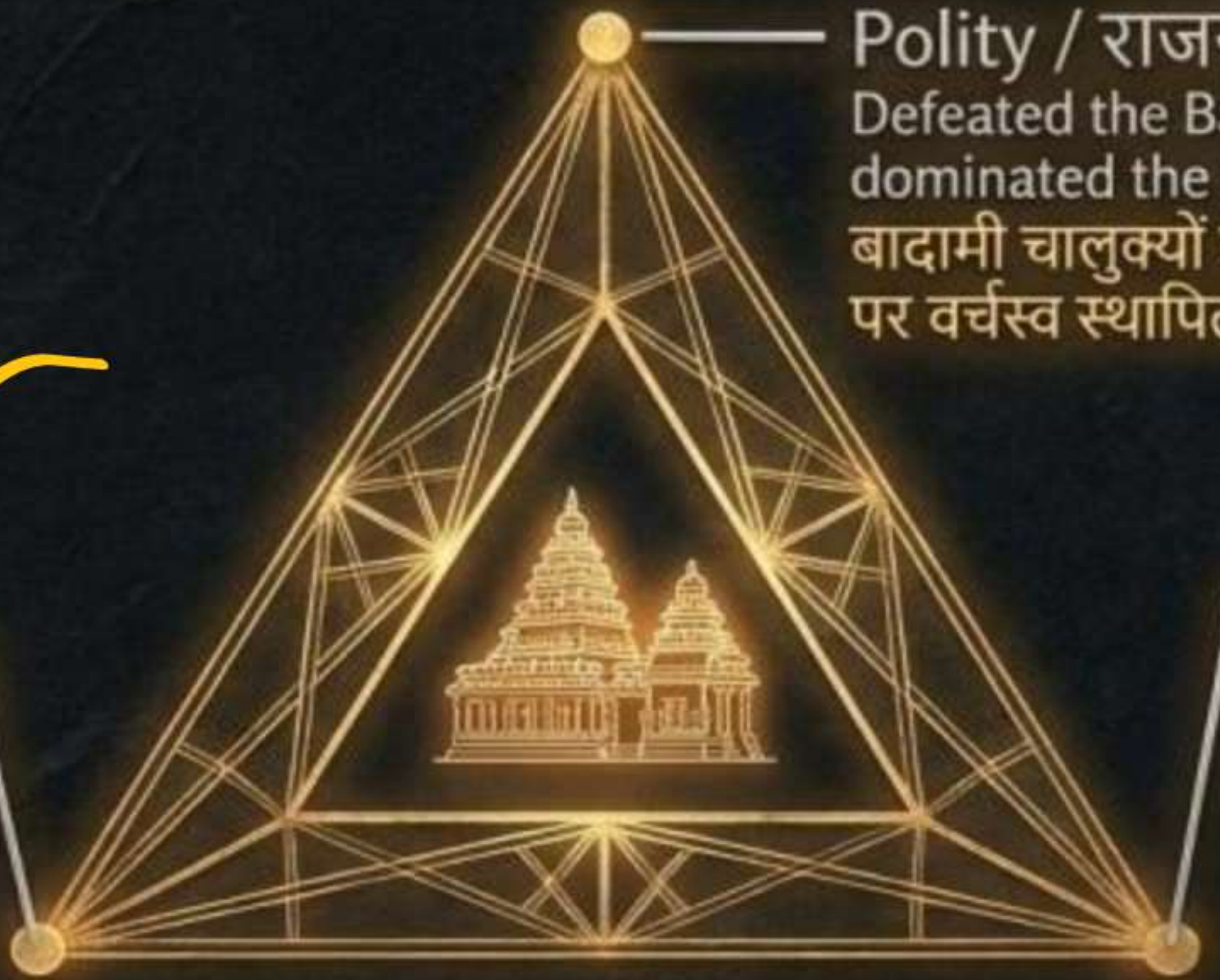

Polity / राजनीति
Defeated the Badami Chalukyas and dominated the Deep South.
बादामी चालुक्यों को हराया और सुदूर दक्षिण पर वर्चस्व स्थापित किया।

Literature / साहित्य
Patrons of Sanskrit and Tamil giants: Bharavi, Dandin, Appar.
संस्कृत और तमिल दिग्गजों (भारवि, दंडिन, अप्पार) के संरक्षक।

Architecture / वास्तुकला
Birthed the Dravidian style, evolving from dark caves to towering structural temples.
गुफाओं से विशाल मंदिरों तक विकसित होकर द्रविड़ शैली को जन्म दिया।

The Pallavas did not just rule the South; they carved its cultural identity into eternal stone.
पल्लवों ने केवल दक्षिण पर शासन नहीं किया; उन्होंने इसकी सांस्कृतिक पहचान को अनंत पत्थरों पर उकेरा।

Luminous Heritage:
Architecture & Empires
of South India
चमकदार विरासत: दक्षिण भारत की वास्तुकला और साम्राज्य
The Epoch of Pallavas and Chalukyas (6th - 12th Century CE)
पल्लव और चालुक्यों का युग (छठी - 12वीं शताब्दी ई.)

Stages of Pallava Temple Architecture | पल्लव मंदिर वास्तुकला के चरण
Mamalla Style (630-668 AD): Rock-cut Mandapas and Monolithic Rathas.
मामल्ला शैली (630-668 ई.): रॉक-कट मंडप और एकाश्म रथ।
Pillar design
Monolithic Structure
Rajasimha Style (680-800 AD): Transition to Structural Temples built with bricks and stones.
राजसिंह शैली (680-800 ई.): ईंट और पाषाण से निर्मित संरचनात्मक मंदिरों की ओर संक्रमण।
Brick & Stone Construction
Independent Temple Structure
Nandivarman Style (800-900 CE): Refined, smaller structures; precursors to Chola architecture.
नंदीवर्मन शैली (800-900 ई.): परिष्कृत, छोटी संरचनाएं; चोल वास्तुकला के अग्रदूत।
Refined Scale
Intricate Details
Pre-Chola Influence

Mamalla Style (630-668 AD) | मामल्ला शैली (630-668 ई.)

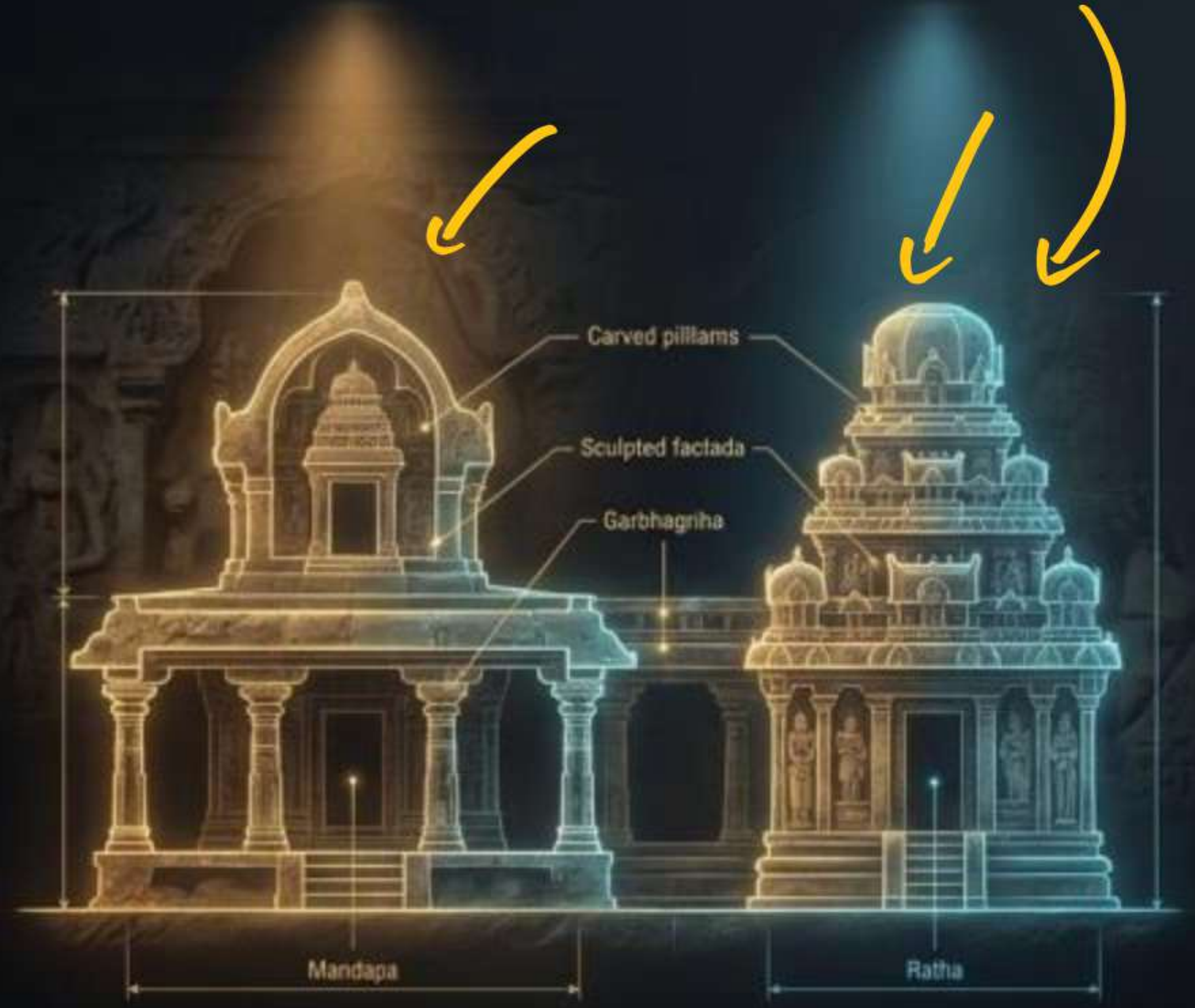

Developed during the reign of Narasimha Varman I **'Mahamalla'**.

इस शैली का विकास नरसिंह वर्मन प्रथम 'महामल्ल' के काल में हुआ।

Consists of two primary monument types: **Mandapas** and **Rathas.**

दो प्रकार के स्मारक शामिल हैं: मंडप और रथ।

Carved purely from **single granite rocks** at **Mahabalipuram.**

महाबलीपुरम में एक ही ग्रेनाइट चट्टानों से तराशे गए।

Rathas: The Monolithic Temples | रथ: एकाश्म मंदिर

Known as 'Sapt Pagoda' (Seven Pagodas). UNESCO World Heritage Site (1984).

इन्हें 'सप्त पैगोडा' भी कहा जाता है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (1984)।

Draupadi Ratha is the smallest. Dharmaraja Ratha is the largest and bears the inscribed statue of Narasimha Varman.

द्रौपदी रथ सबसे छोटा है। धर्मराज रथ सबसे बड़ा है – इस रथ पर नरसिंह वर्मन की मूर्ति अंकित है।

Main Rathas: Draupadi, Nakula Sahadeva, Arjuna, Bhima, Dharmaraja, Ganesha, and Valayankuttai.

मुख्य रथ: द्रौपदी, नकुल सहदेव, अर्जुन, भीम, धर्मराज, गणेश और वलयंकुट्टै रथ।

Nomenclature & Masterpiece Carvings | नामकरण और उत्कृष्ट नक्काशी

The Pidari Ratha is named after Goddess Pidari; Valayankuttai Ratha is named after a local pond.

पिडारी रथ का नाम पिडारी देवी पर तथा वलैयंकटैंथ रथ का नाम एक पोखर (तालाब) पर पड़ा है।

Freestanding boulders at Mahabalipuram feature intricate carvings of mythological events.

महाबलीपुरम में स्वतंत्र रूप से खड़े शिलाखंडों पर पौराणिक घटनाओं की जटिल नक्काशी है।

Scenes include Bhagiratha's penance, Arjuna's penance (Descent of the Ganges), and Durga slaying Mahishasura.

भागीरथ की तपस्या, अर्जुन की तपस्या, गंगावतरण का दृश्य, और महिषासुर वध करती दुर्गा की मूर्तियां उत्कीर्ण हैं।

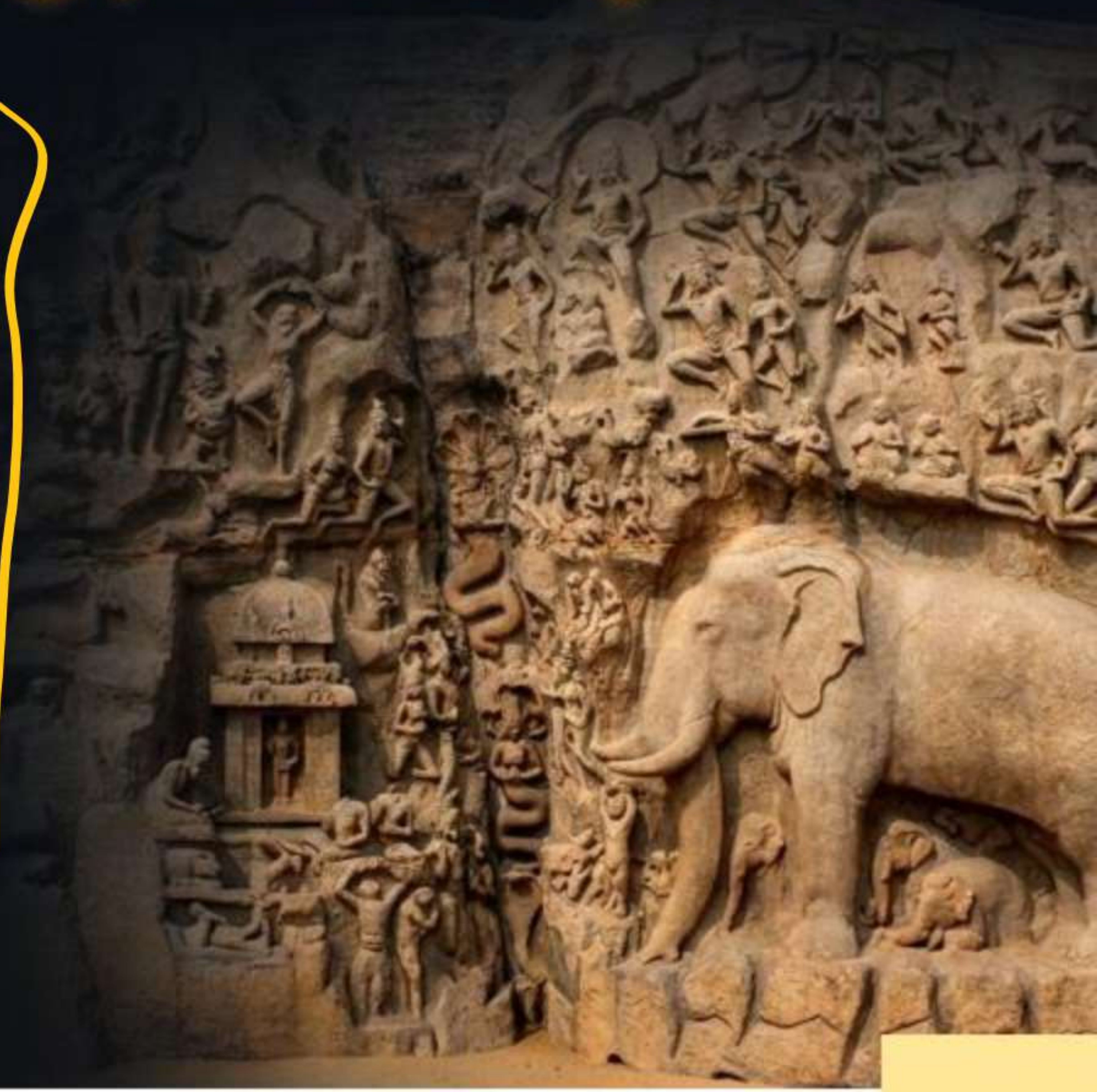

Prominent Cave Temples & Mandapas | प्रमुख गुफा मंदिर और मंडप

Trimurti Cave
त्रिमूर्ति गुफा

Panchapandava Mandapa
पंचपांडव मंडप

Mahishamardini Cave
महिषमर्दिनी गुफा

Also includes the Varaha Cave. The city is located on the Coromandel Coast and served as a major port.
इसमें वराह गुफा भी शामिल है। यह शहर कोरोमंडल तट पर स्थित है और एक प्रमुख बंदरगाह के रूप में कार्य करता था।

Rajasimha Style: The Dawn of Structural Temples | राजसिंह शैली: संरचनात्मक मंदिरों का उदय

Replaced cave temples with structural temples built using bricks and stones.

गुहा मंदिरों के स्थान पर ईंट, पाषाण आदि की सहायता से इमारती मंदिरों का निर्माण शुरू हुआ।

The Shore Temple of Shiva at Mamallapuram, built by Narasimha Varman II.

प्रथम उदाहरण: मामल्लपुरम का शोर शिव मंदिर, जिसका निर्माण नरसिंह वर्मन द्वितीय ने किया।

Features a Muga Mandapa (pillared hall), Artha Mandapa (entrance hall), and Vimana (tower).

इसमें मुगा मंडप (स्तंभों वाला हॉल), अर्थ मंडप (प्रवेश कक्ष) और विमान (टावर) शामिल हैं।

Masterpieces of Kanchipuram & Beyond | कांचीपुरम और उसके आगे की उत्कृष्ट कृतियाँ

Kailasanatha Temple

Started by Narasimha Varman II, completed under Parameshwara Varman II.

कांची के कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण नरसिंह वर्मन द्वितीय के काल से शुरू हुआ एवं परमेश्वर वर्मन द्वितीय के समय पूर्ण हुआ।

Vaikuntha Perumal Temple

Started by Parameshwara Varman II, completed by Nandi Varman II.

बैकुंठ पेरुमल मंदिर का निर्माण परमेश्वरवर्मन द्वितीय ने प्रारम्भ कराया एवं नन्दिवर्मन द्वितीय ने पूर्ण करवाया।

Other Sites

Panamalai Temple (Arcot, Tamil Nadu).

पनमलाई मंदिर (अर्काट, तमिलनाडु)।

Nandi Varman / Aparajita Style (800-900 CE)| नंदीवर्मन या अपरजित शैली (800-900 ई.)

Temples in this style are relatively smaller but highly refined.

इस शैली के मंदिर अपेक्षाकुछ छोटे हैं।

Key Temples: Mukteshvara & Matangeshvara (Kanchi), Parashurameshwara (Gudimallam), Vada Mallishwara (Oragadam), Virattaneshwara (Tiruttani).

कांची के मुक्तेश्वर तथा मतंगेश्वर मंदिर, गुडीमल्लम का परशुरामेश्वरम, ओरागड़म का वाड़ा मल्लिश्वर, तिरूतैन का वीरट्ट्रानेश्वर मंदिर।

Pallava architecture reached full maturity, providing the foundational model for massive Chola temples (e.g, Thanjavur Brihadisvara, Gangaikonda Cholapuram).

पल्लव वास्तुकला ने पूर्ण परिपक्वता प्राप्त की, जिसने चोलों के विशाल बृहदेश्वर और गंगईकोंड चोलपुरम मंदिरों के लिए मूल मॉडल प्रदान किया।

The Chalukya Empires: A Tripartite Legacy | चालुक्य साम्राज्य: एक त्रिपक्षीय विरासत

Chalukyas of Badami (Vatapi): 550-750 CE.

बादामी (वातापी) के चालुक्य: 550-750 ई.।

Chalukyas of Vengi (Eastern Chalukyas): 600-1200 CE.

वेंगी के चालुक्य (पूर्वी चालुक्य): 600-1200 ई.।

Chalukyas of Kalyani (Western Chalukyas): 950-1100 CE.

कल्याणी के चालुक्य (पश्चिमी चालुक्य): 950-1100 ई.।

1st Territory
Low Strength
Strength
Low Strength
712 AD - Islam
1100

Origins of the Badami Chalukyas | बादामी चालुक्यों की उत्पत्ति

Capital: Vatapi (Modern Bagalkot, Karnataka).

राजधानी: वातापी (बागलकोट, कर्नाटक)।

Pulakeshin I (535-566 CE): The actual founder of the dynasty; performed the Ashvamedha sacrifice.

पुलिकेशन प्रथम (535-566 ई.): वास्तविक संस्थापक; अश्वमेध यज्ञ किया।

Kirtivarman I: The builder of Vatapi. Conquered Konkan and gained control over Goa (Revati Island) port.

कीर्तिवर्मन प्रथम: वातापी का निर्माणकर्ता। कोंकण विजय के फलस्वरूप गोवा (रेवती द्वीप) बंदरगाह पर अधिकार किया।

Pulakeshin II: The Supreme Sovereign (609-642 CE) | पुलिकेशन द्वितीय: सर्वोच्च संप्रभु (609-642 ई.)

The most powerful ruler of the Chalukya dynasty.

चालुक्य वंश का सबसे शक्तिशाली शासक।

Defeated the northern emperor **Harshavardhan** on the banks of the Narmada river.

नर्मदा के तट पर हर्षवर्धन को पराजित किया।

Satyashraya (Haven of Truth), **Parameshwara** (Supreme Lord), and **Dakshinapatheshwara** (Lord of the South).

उपाधि: सत्याश्रय, परमेश्वर व दक्षिणापथेश्वर।

Rituals, Diplomacy, and Global Ties | अनुष्ठान, कूटनीति और वैश्विक संबंध

Research on Buddhism

राजसूय

Performed Ashvamedha, Vajapeya, Bahusuvarna, and Agnishtoma sacrifices.

अश्वमेध, वाजपेय, बहु सुवर्ण तथा अग्निष्टोम यज्ञ किये।

Sent an ambassador to the court of Shah Khosrow II of Iran.

ईरान के शाह खुसरो II के दरबार में राजदूत भेजा।

630-645 AD

Chinese traveler Hiuen Tsang visited his kingdom in 641 AD.

641 ई.: चीनी यात्री हेनसांग की यात्रा।

* ह्वेनसांग किस शासक के काल में आया

हर्षवर्धन ✓
(King of Kannuj)

* Capital of Pallav Dynasty

कांचीपुरम
(Kanchipuram)

Purushpur
UK
Kundaluan
Rajasthan
Hastinapur
Magadh
Kannauj
Ajmer
in Ancient
Patan
Malwa
Kalinga
Vidarbh
Kar
Ke
TN
Malabar

The Aihole Inscription: Etched in History | एहोल अभिलेख: इतिहास में उकेरा गया

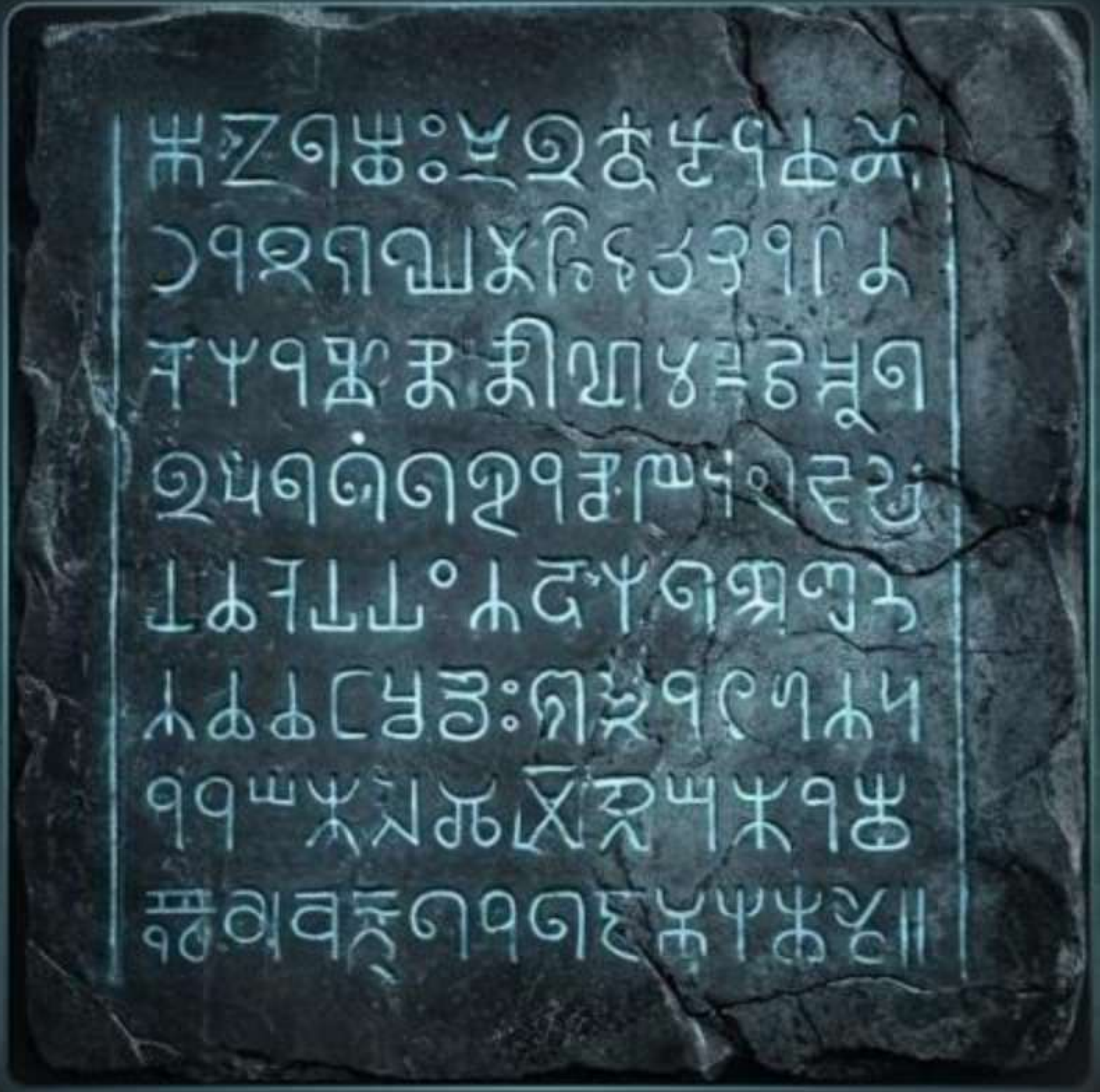

Creator & Location

Composed by court poet Ravikirti. Located in Aihole (Karnataka), known as the 'City of Temples'.

दरबारी कवि रविकीर्ति द्वारा रचित। एहोल (कर्नाटक) को 'मंदिरों का शहर' कहा जाता है।

Linguistic Data

Written in Sanskrit language using the Southern Brahmi script.

भाषा - संस्कृत; लिपि - दक्षिणी ब्राह्मी।

Literary Merit

Ravikirti's poetic brilliance in the inscription is compared to literary giants Kalidasa and Bharavi.

अभिलेख में रविकीर्ति की तुलना कालिदास व भारवि से की गई है।

The Epic Conclusion: Pallavas vs. Chalukyas | महाकाव्य निष्कर्ष: पल्लव बनाम चालुक्य

The Conflict

The two great dynasties collided in a historic battle in 642 AD.

642 ई. में दो महान राजवंशों का ऐतिहासिक टकराव हुआ।

The Victor

Pallava King Narasimha Varman I 'Mahamalla' defeated Chalukya King Pulakeshin II.

पल्लव राजा नरसिंहवर्मन प्रथम ने चालुक्य राजा पुलिकेशन द्वितीय को हराया।

The Aftermath

Narasimha Varman I assumed the grand title of 'Vatapikonda' (Conqueror of Vatapi).

नरसिंहवर्मन प्रथम ने 'वातापिकोंड' की उपाधि धारण की।